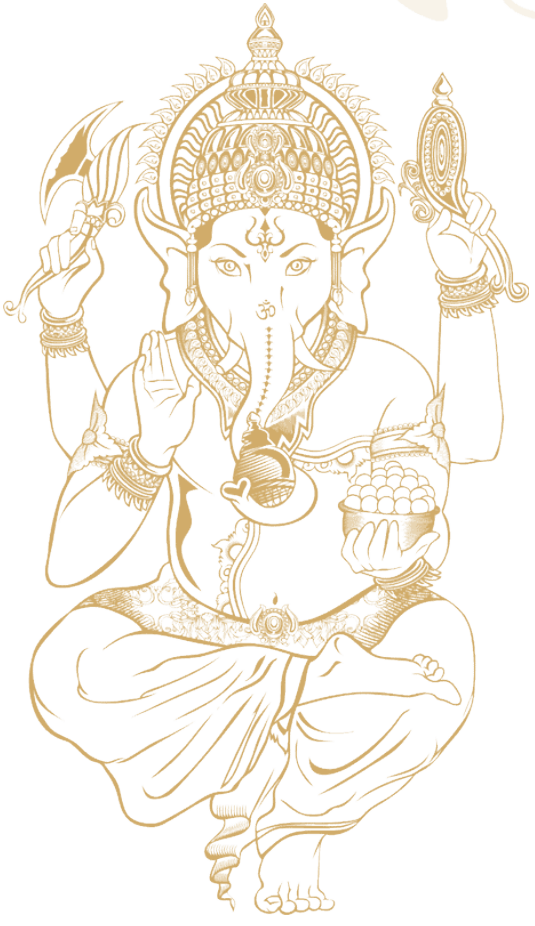

Mr.vasudav

Ms.priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120394402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/02/2001	जन्म तिथि	09/05/2005
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:55:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 14:31:16	जन्म समय(घटी)	04:43:43 घटी
India	देश	India
Dhar	स्थान	Jhabua
22:32:00 उत्तर	अक्षांश	25:45:00 उत्तर
75:24:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:24	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:06:29	सूर्योदय	05:49:35
18:18:25	सूर्यास्त	19:06:38
23:52:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:47

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 6मा 2दि

गुरु	08/08/2024
	08/08/2040
गुरु	26/09/2026
शनि	08/04/2029
बुध	15/07/2031
केतु	20/06/2032
शुक्र	19/02/2035
सूर्य	08/12/2035
चन्द्र	08/04/2037
मंगल	15/03/2038
राहु	08/08/2040

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
08:22:03	वृष	लग्न	वृष	24:14:49
21:40:42	मक	सूर्य	मेष	24:38:06
26:10:40	वृष	चंद्र	वृष	03:17:46
00:30:27	वृश्चि	मंगल	कुंभ	11:50:33
06:49:19	कुंभ व	बुध	मेष	01:00:24
07:29:20	वृष	गुरु व	कन्या	16:05:42
07:25:16	मीन	शुक्र	वृष	04:44:16
00:17:30	वृष	शनि	मिथु	28:28:29
21:20:33	मिथु	राहु व	मीन	28:43:53
21:20:33	धनु	केतु व	कन्या	28:43:53
26:38:51	मक	हर्ष	कुंभ	16:17:27
12:44:16	मक	नेप	मक	23:38:28
20:55:22	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	00:07:19

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 0मा 6दि

राहु	15/05/2025
	15/05/2043
राहु	26/01/2028
गुरु	21/06/2030
शनि	27/04/2033
बुध	14/11/2035
केतु	02/12/2036
शुक्र	02/12/2039
सूर्य	26/10/2040
चन्द्र	27/04/2042
मंगल	15/05/2043

लग्न-चलित

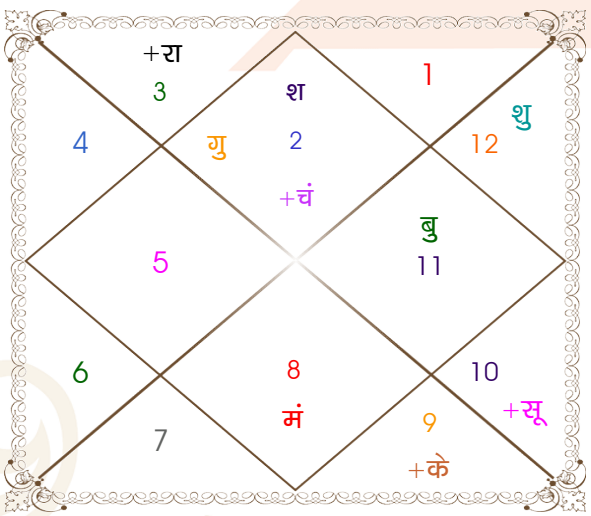

लग्न-चलित

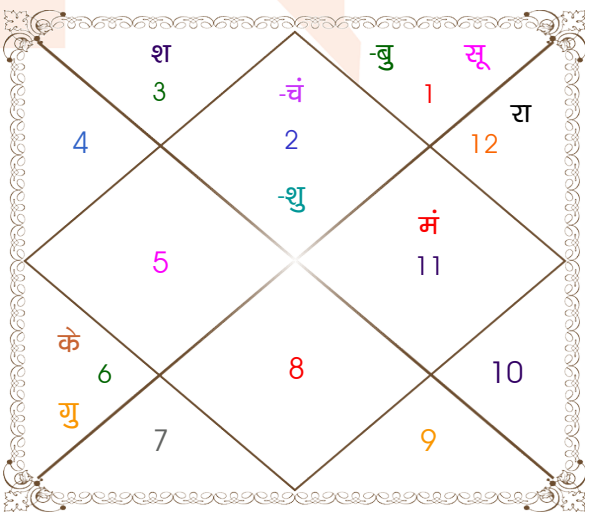

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr.vasudav का वर्ग मृग है तथा Ms.priya का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.vasudav और Ms.priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.vasudav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.vasudav कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.vasudav कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.priya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.priya कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.vasudav तथा Ms.priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।